1

# बैंक

*तुमने बैंक के बारे में सुना होगा। तुम्हारी जानकारी में लोग बैंक का क्या-क्या उपयोग करते हैं, तीन-चार बातें सोचकर लिखो।*

पुराने समय में जो लोग पैसे बचाना चाहते थे, वे पैसों को या सोने-चांदी के सिक्कों को घड़ों में बंद करके ज़मीन के नीचे दबाकर रख देते थे। मगर इसमें हमेशा चोरों का खतरा था। अक्सर वे यह भी भूल जाते थे कि कहां पर धन छिपा कर रखा है। आज भी कई पुराने शहरों में घरों के नीचे ऐसे सोने के सिक्कों से भरे घड़े मिलते हैं।

मगर आजकल बहुत से लोग जो पैसा बचाना चाहते हैं, वे ऐसा नहीं करते हैं। वे अपने बचे हुए पैसों को बैंक में जमा कर देते हैं। वहां उनका पैसा सुरक्षित रहता है।

तुम सोचोगे कि बैंक में क्या चोरी नहीं होती?

बैंक में कभी चोरी हो भी जाये तो पैसे जमा करने वालों को नुकसान नहीं होता है। क्योंकि बैंक का काम एक खास ढंग से चलता है।

बैंक का चौकीदार

बैंक का कार्य कैसे चलता है? इसके बारे में पाठ में पढ़ो।

<u>बैंक में खाते</u>

बैंकों में पैसे जमा करने से लोगों के पैसे सुरक्षित तो रहते ही हैं, साथ ही उन्हें अपने जमा पैसों पर बैंक से ब्याज़ भी मिलता है। जितने पैसे जमा किए हैं, जमा करने वाले को कुछ सालों बाद उससे अधिक पैसे वापिस मिलते हैं।

शिक्षक, दुकानदार, किसान, व्यापारी, अफसर, डॉक्टर, वकील - सभी प्रकार के लोग बैंक में खाते खोल कर पैसे जमा करते हैं।

बैंक में पैसे सुरक्षित रखने में लोगों के अलग-अलग उद्देश्य रहते हैं। जैसे दुकानदार व व्यापारी रोज़ पैसे कमाते हैं और चाहते हैं कि दिन भर में आए पैसों को रोज़ बैंक में जमा कराएं। साथ ही रोज़ ज़रूरत के अनुसार (जैसे माल खरीदने के लिए या मज़दूरों को देने के लिए) पैसे निकालें। इन लोगों के लिए बैंक में "चालू खाते" खोलने की सुविधा है। इन खातों में रोज़ पैसा जमा कराया जा सकता है और रोज़ निकाला जा सकता है। इस खाते में जमा किए गए पैसों पर बैंक ब्याज नहीं देती।

लोग अपनी आमदनी में से पैसे बचा-बचा कर बैंक में सुरक्षित रखते जाना चाहते हैं। इनके लिए बैंक में "बचत खाता" खोलने की सुविधा है। जो लोग बचत करने के लिए बैंक में पैसे जमा करते हैं उन्हें

रोज़-रोज़ पैसे निकालने की ज़रूरत नहीं होती। बचत खाते का नियम भी है कि छह महीनों में 50 बार से ज़्यादा पैसे नहीं निकाले जा सकते हैं। सही भी है, क्योंकि अगर बहुत ज़्यादा बार पैसे निकाले गए तो बचत कैसे होगी? बचत खाते में जमा पैसे पर बैंक 5% प्रति वर्ष की दर से ब्याज देती है।

कई ऐसे भी लोग हैं जो यह तय कर लेते हैं कि उन्हें अपनी बचत के कुछ पैसे कई महीनों या सालों तक खर्च करने की ज़रूरत नहीं होगी। इस पैसे को वे "मियादी जमा खाते" में एक निश्चित समय तक जमा कर देते हैं। इस पर उन्हें ज़्यादा ब्याज मिलता है।

मान लो कि किसी के पास बचत खाते में 6,000 रुपये जमा हैं। इस पर उसे 5% वार्षिक ब्याज मिल रहा है। उसने सोचा, "मैं मियादी खाते में दो साल के लिए 2,000 रुपये डाल देती हूं। मुझे अगले दो साल इन पैसों की ज़रूरत नहीं होगी।"

वह मियादी खाते में रकम जमा करवा देती है। अब उसे इन 2,000 रुपये पर 10% चक्रवर्ती ब्याज मिलेगा। दो साल पूरे होने से पहले वह इस खाते में से पैसे नहीं निकाल सकती। दो साल बाद उसे ब्याज समेत पैसे वापस मिल जाएंगे।

अगर उसे इस बीच पैसों की बहुत ज़रूरत आ पड़ी और उसे मियाद पूरी होने से पहले पैसे निकालने पड़े तो ब्याज कम दर से लगा के उसे तब तक बनी रकम दे दी जाएगी।

*व्यापार के लिये खोले गये खाते को क्या कहते हैं? इस खाते में और मियादी खाते में क्या-क्या अंतर हैं?*

## बैंक में लेन देन के नियम

बैंक में जमा किए गए अपने पैसों को लोग सुविधानुसार निकाल सकते हैं। खाते में से पैसे निकालने के दो तरीके होते हैं - एक, फॉर्म भर कर निकालना और दूसरा, चेक दे कर निकालना।

एक दिन नीरज के घर पर पैसों की आवश्यकता थी। उसने सोचा कि अपने खाते से पैसे निकाल लाता हूं। उसका खाता भारतीय स्टेट बैंक में था। उसने बैंक पहुंच कर पैसे निकालने का फार्म मांगा (नीचे इस फार्म का चित्र देखो)। उसने फार्म भर कर खिड़की के पीछे बैठे बाबू को पेश किया। बाबू ने पास बुक मांगी पर नीरज पास बुक घर भूल आया था। उसने बाबू से कहा, "आप तो मुझे पहचानते हैं। पैसे दे दीजिए, मैं आप को पास बुक बाद में दे दूंगा।" बाबू ने कहा, "यह संभव नहीं। बैंक का नियम है कि फार्म के साथ पास बुक दिखाना आवश्यक है।" उसने नीरज को नियम भी पढ़वाया। नीचे दिए गए फार्म पर तुम भी नियम पढ़ो।

नीरज घर गया और पास बुक लेकर आया। पास बुक के साथ उसने पैसे निकाले। उस के बाजू में

पैसे निकालने का फार्म

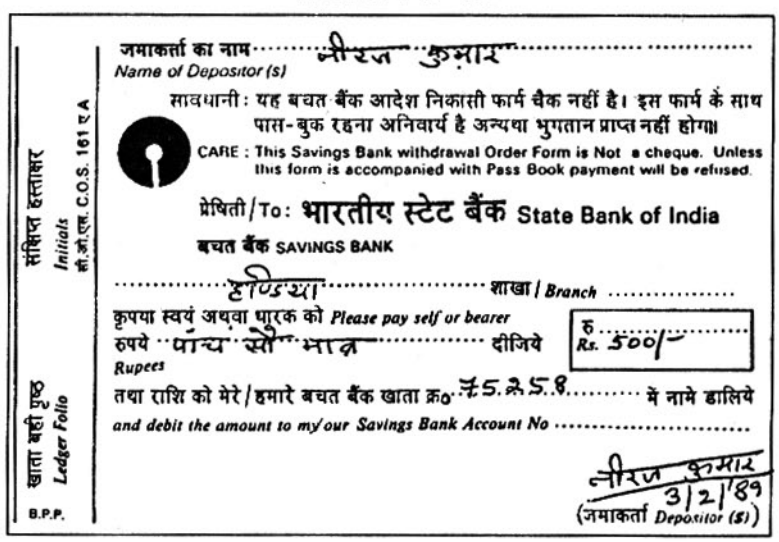

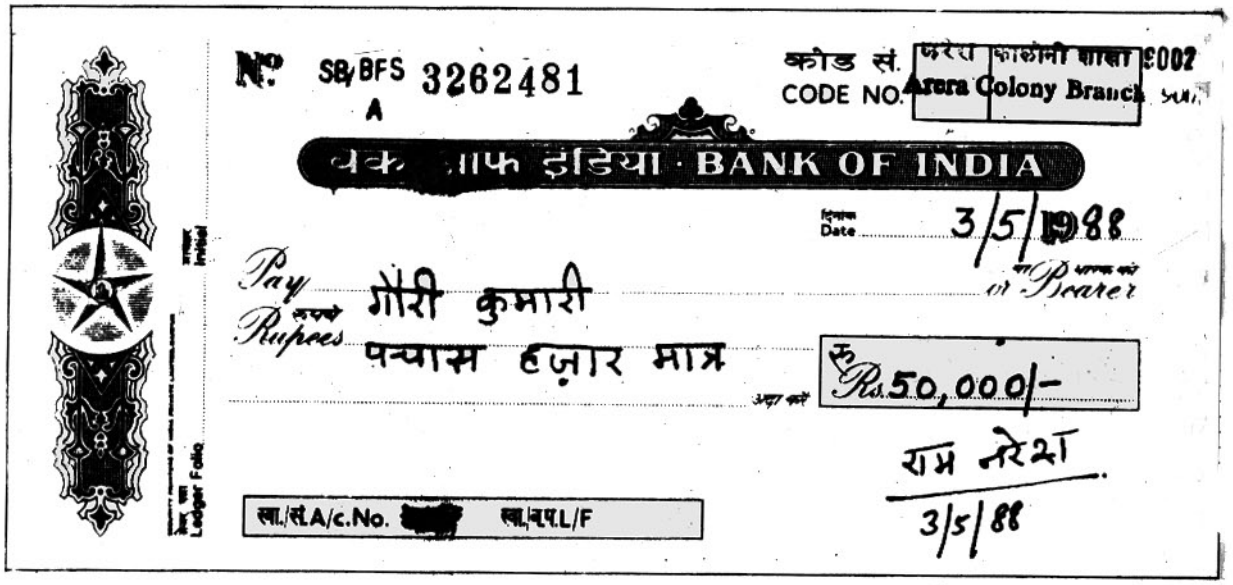


राम नरेश का चेक, गौरी कुमारी के नाम

एक व्यक्ति खड़ा था जिसने एक दूसरे तरह का फार्म देकर पैसे निकाले। नीरज ने उससे पूछा, "आप के पास पास बुक नही है, पैसे कैसे निकाले।" उसने बताया, "यह चेक है। इस के साथ पास बुक की ज़रूरत नही।"

***पास बुक क्या होती है और इसका क्या उपयोग है - गुरुजी के साथ चर्चा करो।***

## चेक

चेक आजकल रुपए पैसों के लेन-देन में बहुत उपयोग किया जाता है। चेक से हम अपने खाते में से पैसे तो निकाल ही सकते हैं, इसके अलावा दूसरे लोगो को भी दे सकते हैं। यदि एक व्यक्ति किसी को बड़ी रकम देना चाहता है तो उसके नाम चेक लिख देता है। यदि किसी को दूसरी जगह पैसे भेजना है तो वह चेक लिख कर डाक द्वारा पहुंचा सकता है। व्यापार, धंधे और अन्य प्रकार के लेन-देन के लिए चेक एक महत्वपूर्ण माध्यम है।

चेक से लेन देन का एक उदाहरण पढ़ो। राम नरेश भोपाल का एक बड़ा व्यापारी है और गौरी कुमारी वही पर एक कारखाने की मालकिन हैं। राम नरेश का खाता 'बैंक ऑफ इंडिया' में है और गौरी कुमारी का खाता 'पंजाब नेशनल बैंक' में है। राम नरेश ने गौरी कुमारी को 50,000 रु. देने थे। राम नरेश ने गौरी कुमारी के नाम चेक काटा।

चेक पर लिखा है "गौरी कुमारी या धारक को रुपये पचास हज़ार मात्र अदा करें"। गौरी कुमारी के पास चेक पहुंचा। वह अब दो काम कर सकती है। यदि उसे नगद पैसे चाहिए तो वह राम नरेश के बैंक (बैंक ऑफ इंडिया, अरेरा कालोनी, भोपाल) जाकर यह चेक पेश कर सकती है। वहां बैंक वाले राम नरेश के हस्ताक्षर मिलाएंगे और ये देखेंगे कि उसके खाते में पर्याप्त पैसे हैं या नहीं । तब वे गौरी कुमारी को नगद पैसे देंगे और राम नरेश के खाते में से 50,000 रुपये घटा देंगे।

गौरी कुमारी एक दूसरा तरीका भी अपना सकती

है। वह अपने बैंक के खाते में चेक जमा कर सकती है। अब सब काम बैंक वाले करेंगे। गौरी कुमारी का बैंक यानी पंजाब नेशनल बैंक (भोपाल) राम नरेश के बैंक को यह चेक भेजेगा। राम नरेश का बैंक (यानी बैंक ऑफ इंडिया, भोपाल) उसके हस्ताक्षर मिलाकर और खाते की जांच कर के गौरी कुमारी के बैंक के साथ हिसाब कर लेगा। राम नरेश का बैंक उसके खाते में से 50,000 रु. घटा देगा और गौरी कुमारी का बैंक गौरी कुमारी के खाते में 50,000 रु. जोड़ देगा।

*शुरू में राम नरेश के खाते में 65,000 रु. थे और गौरी कुमारी के खाते में 60,000 रु. थे। बैंक में यह चेक जमा होने के बाद इनके खाते में कितने रुपये होंगे, लिखो।*

यदि गौरी कुमारी भोपाल में नहीं, देवास में होती, तब भी वह दूसरा तरीका अपना सकती थी यानी राम नरेश का चेक अपने बैंक के खाते में जमा करा सकती थी।

इस स्थिति में दोनों बैंकों के बीच हिसाब चिट्ठी द्वारा किया जाता। राम नरेश के खाते से तो 50,000 रु. ही घटाए जाते पर गौरी कुमारी के खाते में 50,000 रु. से कुछ कम रुपए जोड़े जाते। काटे गए पैसे बैंक अपना कमीशन के रूप में रख लेता है।

## क्रॉस चेक

तुम सोचोगे कि यदि यह चेक गौरी कुमारी की बजाय और किसी के हाथ लग जाए तो वह राम नरेश के पैसे निकाल सकता है।

यह खतरा दूर करने का एक तरीका है। राम नरेश चेक पर "या धारक" शब्दों को काट कर इस तरह दो लकीर खींच सकता है। ऐसे चेक को क्रॉस या रेखीकृत चेक कहते हैं।

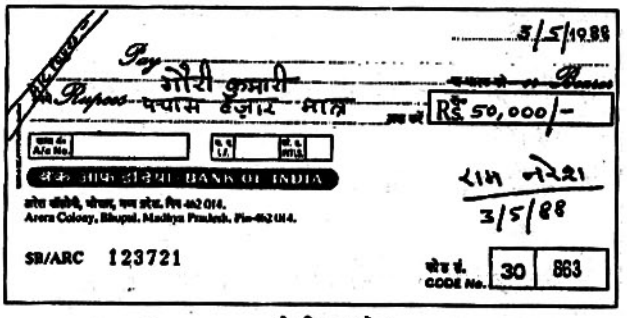


रेखीकृत चेक

ऐसा करने पर चेक के पैसे नगद में नहीं प्राप्त हो सकते हैं। गौरी कुमारी भी राम नरेश के बैंक जाकर पैसे नहीं निकाल सकती है। यानी यह चेक केवल गौरी कुमारी के खाते में ही जमा किया जा सकता है। कोई और इस चेक से नगद पैसे नहीं निकाल सकता।

रेखीकृत चेक या क्रॉस चेक लेन-देन का सुरक्षित माध्यम है। ये पैसे बैंक में ही जमा किए जा सकते हैं। यदि किसी तीसरे व्यक्ति के पास ऐसा चेक आ जाए और वह पैसे हड़पना चाहे तो यह आसान नहीं है। आमतौर से बड़ी मात्रा का लेन-देन रेखीकृत चेकों के माध्यम से ही होता है।

जब बैंक में किसी व्यक्ति का खाता होता है तब बैंक का फर्ज़ है कि उस व्यक्ति के मांगने पर (चेक या फार्म द्वारा) बैंक उसे नगद पैसे दे दे। यदि चेक लिखने वाले व्यक्ति के खाते में उतने पैसे न हों जितने का उसने चेक लिखा है, तो चेक उसे वापिस भेजा जाता है। नए नियम के अनुसार ऐसा चेक लिखने वाले को सज़ा भी मिल सकती है।

## बैंक ड्राफ्ट

चेक से लेन-देन के अलावा बैंक द्वारा लेन-देन का एक दूसरा तरीका है-बैंक ड्राफ्ट।

मान लो तुम्हें नौकरी के लिए अर्जी के साथ 30 रु. भेजने हैं। नौकरी के इश्तहार में लिखा है कि पैसे बैंक ड्राफ्ट या मनी आर्डर से भेजना है।

पता करो --

1. बैंक ड्राफ्ट भेजने के लिए तुम्हें क्या करना पड़ेगा?
2. मनीआर्डर भेजने के लिए तुम्हें क्या करना पड़ेगा?
3. बैंक ड्राफ्ट या मनी आर्डर द्वारा जिनको पैसे भेजोगे, उन्हें पैसे किस तरह प्राप्त होंगे?

तुमने राम नरेश और गौरी कुमारी के बीच पैसे का लेन देन देखा। इसी तरह और भी बड़ी मात्रा मे खरीदी-बिक्री चलती रहती है और नोट वास्तव मे कही हाथ नही बदलते। ड्राफ्ट व चेक से ही लेन देन चलता है। बस, एक के खाते मे रकम कम हो जाती है और दूसरे के खाते मे जुड़ जाती है। इस तरह व्यापार और लेन-देन मे बहुत सुविधा हो गई

## खाते में लेन देन का एक अभ्यास करो

फूल सिंह का खाता टिमरनी की भारतीय स्टेट बैंक शाखा मे है। वह एक किसान है। उसने छगन लाल को सोयाबीन बेचा है। छगन लाल ने उसे 5,000 रु. का चेक दिया है। फूल सिंह के खाते मे 7,000 रु. थे। उसके खाते मे छगन लाल का चेक जमा करने के बाद 12,000 रु. हो जाएंगे।

*नीचे फूलसिंह की पास बुक की तालिका दी गई है। इसे अपनी कापी मे उतारो। छगन लाल का चेक जमा करने की स्थिति इस तालिका मे भरो।*

फूल सिंह की पास बुक

| क्र. | विवरण | निकाली गई रकम | जमा की गई रकम | शेष जमा राशि |
|---|---|---|---|---|
| 1. | पहले से जमा राशि | | | 7,000 |
| 2. | छगन लाल का चेक प्राप्त | | | |
| 3. | | | | |
| 4. | | | | |

फूल सिंह अपना घर बनवा रहा था। उसे घर के लिए सीमेंट खरीदना था। सीमेंट की कीमत 8000 रु. थी। उसने सीमेंट व्यापारी कमल गुप्ता को 8000 रु. का चेक दिया। कमल गुप्ता ने चेक अपने खाते मे जमा कराया।

फूल सिंह के मकान पर मज़दूर काम कर रहे थे। मज़दूरी देने के लिए उसे 2000 रु. की ज़रूरत थी। उसने ये 2,000 रु. बैंक से नगद निकाले।

फूल सिंह द्वारा कमल गुप्ता को दिए गए चेक और मज़दूरी के लिए निकाले गए पैसो को फूल सिंह की पास बुक तालिका मे उपयुक्त जगह पर भरो।

इन दोनों भुगतान के बाद फूल सिंह के खाते मे कितने रुपए जमा थे? यह भी तालिका मे उपयुक्त जगह पर भरो।

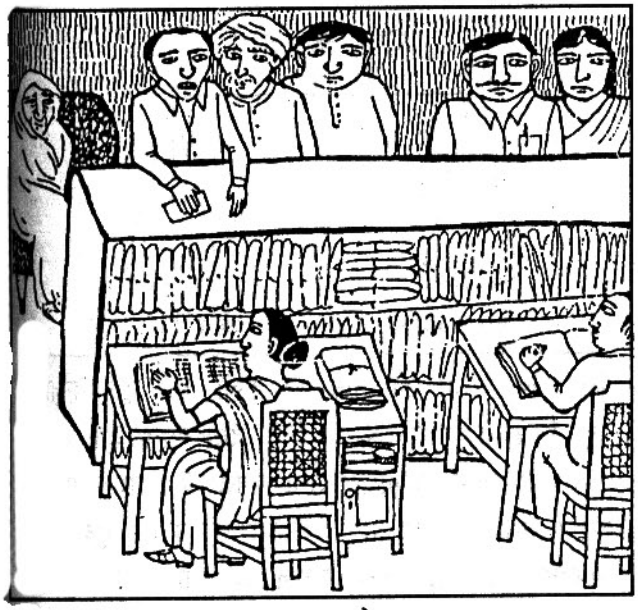

पास बुक भरवाते हुए

है। नोटों की गड्डियां लाने ले जाने की कठिनाई व खतरों से बचा जा सकता है। पैसे दूर कहीं भेजने हों तो डाक द्वारा चेक या ड्राफ्ट भेज सकते हैं। बैंकों की शाखाएं जगह-जगह हैं। चेक के माध्यम से दूर-दूर तक व्यापार और लेन-देन हो सकता है।

## बैंक में चोरी

हम ने देखा कि बहुत से लोग बैंक में पैसे जमा करते हैं। बैंक इन पैसों का क्या करती है? आगे की कहानी पढ़ कर इसका जवाब ढूंढते हैं।

सुबह तड़के ही शहर में सनसनी फैल गई। बैंक में डकैती हो गई थी। बंदूकों से लैस डाकुओं ने बैंक के चौकीदार पर हमला किया था। चौकीदार के पास बन्दूक थी पर पांच-सात लोगों के सामने वह कमज़ोर पड़ गया था। चौकीदार भी घायल हो गया था। बैंक में डकैती की खबर सुनकर कई बड़े किसान और व्यापारी घबराए। उनके तो खूब पैसे बैंक में जमा थे। किसी के पचास हज़ार तो किसी के दो लाख। कई लोगों की चार-पांच हजार रुपए की बचत पूंजी भी बैंक में थी।

कई लोग सोच रहे थे कि बैंक में जमा उनके पैसे अब उन्हें नहीं मिलेंगे। उनका ख्याल था कि उनके द्वारा जमा किए गए सभी पैसे वहां बैंक की तिजोरी में थे। ऐसा सोचने वालों में से मोहन कुमार भी एक व्यक्ति था। उसके 50,000 रु. बैंक में जमा थे।

लोगों ने बैंक के मैनेजर से मिलने की मांग की। बैंक मैनेजर बाहर आयी और उसने कहा कि किसी का नुक्सान नहीं होगा। जितने पैसे खाते में हैं, उतने पैसों पर उनका अभी भी हक है। डकैती का नुकसान बैंक को ही सहन करना होगा । खातेदारों के सभी पैसे सुरक्षित हैं। इस पर लोग संतुष्ट होकर जाने लगे। मोहन कुमार भी जाने वाला था कि उसने मैनेजर को कैशियर से बात करते हुए सुना, "आज कैश (नोट और सिक्के) कितना था?"

कैशियर ने बताया कि तिजोरी में 50,000 रु. थे। मोहन ने सोचा कि बैंक की तिजोरी में केवल 50,000 रु. थे जब कि मेरे ही खाते में 50,000 रु. हैं। यह कैसे हो सकता है? सभी खातेदारों की रकम जोड़ी जाये तो बहुत होगी, फिर भी तिजोरी में इतने कम नगद पैसे रखे हैं।

***खातेदारों के मांगने पर बैंक को नगद पैसे देना ज़रूरी है। फिर इतने कम नगद पैसे से बैंक का काम-काज कैसे चलता है?***

बैंक के बाहर खूब भीड़ थी

## बैंक में नगद पैसे

बैंक का फर्ज़ बनता है कि मांगने पर खातेदारो को नगद पैसे अदा करे। पर बैंक के बहुत से खातेदार होते हैं। कभी भी ऐसा नही होता कि सारे खातेदार अपने सारे पैसे निकालने बैंक आ जाएं। मानो किसी बैंक के 2,000 खातेदार हैं तो किसी एक दिन मे 25-50 लोग नगद मांगने आयेंगे। शायद महीने की शुरुआत मे ज़्यादा और बाद मे कम। यदि किसान खातेदार हैं तो बोनी के समय ज़्यादा नगद की मांग होगी और फसल कटने के समय पैसे जमा होंगे। हर दिन कुछ ही लोग नगद पैसे निकालने आते हैं, और कुछ लोग नगद जमा भी करते हैं। बैंको को अपने अनुभव से पता चल जाता है कि दिन-भर में लगभग कितने नगद पैसो की ज़रूरत हो सकती है। उतने पैसो का बैंक प्रबन्ध रखती है।

एक और कारण से बैंक को बहुत नगद पैसे रखने की ज़रूरत नहीं पड़ती। जैसे तुमने पाठ मे देखा, बहुत सा लेन-देन चेक द्वारा होता है। यहां नगद पैसो की ज़रूरत ही नहीं। पैसा एक खाते से दूसरे खाते में चढ़ जाता है। कई खातेदारो का काम-काज चेक के लेन-देन द्वारा चलता रहता है। इस कारण भी बैंक को बहुत कम नगद पैसे रखने पड़ते हैं।

***तिजोरी में सिर्फ 50,000 रु. क्यों थे? तुम्हारे विचार में बाकी पैसों का बैंक क्या करती है?***

## बैंक के कार्य

बैंक के दो प्रमुख कार्य हैं - लोगों के पैसे जमा करने के लिए खाते खोलना और लोगों की ज़रूरत के लिए कर्ज़ या ऋण देना। यह मानो कि एक ही तराजू के दो पलड़े हैं।

तुमने अक्सर सुना होगा कि दुकान लगाने के लिए, कारखाने लगाने के लिए, ट्रैक्टर या मोटर खरीदने के

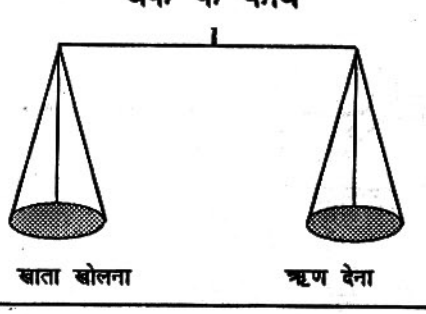


लिए बैंक लोगो को लोन या कर्ज़ा देती है। कर्ज़ा एक निश्चित समय तक के लिए दिया जाता है। उस समय से पहले कर्ज़ा लौटाना पड़ता है। साथ-साथ ऋण लेने वाले को उस पैसे पर ब्याज या सूद भी चुकाना पड़ता है। इसी ब्याज के पैसो से बैंक को आमदनी और मुनाफा मिलता है।

लोगो को कर्ज़ा देने के लिए बैंक के पास धन कहां से आता है? तुमने देखा कि बहुत से लोग अपने बचत के पैसे बैंक के बचत या मियादी खातो में जमा करते हैं। बैंक मे जमा पैसो से बैंक दूसरो को उधार या लोन देती है। कर्ज़दारो से जो ब्याज़ मिलता है, उसी मे से पैसे जमा करने वालो को बैंक द्वारा ब्याज दिया जाता है।

## तरह-तरह के ऋण

हम ने देखा था कि बहुत सारे लोग बैंक मे पैसे जमा करते हैं और इस तरह एक जगह काफी पैसा इकट्ठा हो जाता है। फिर इन पैसो का उपयोग ऋण देने मे किया जाता है। कुछ ऋण योजनाओं के लिए सरकार बैंको को अलग से पैसे देती है। इस तरह बैंक कई प्रकार के छोटे-बड़े ऋण देती है।

बैंक के कुछ ऋण ऐसे होते हैं जो कि उद्योग, बड़े व्यापार और धंधो के लिए दिए जाते हैं। उदाहरण के लिए -

नर्मदा सोयाबीन कंपनी ने सोयाबीन तेल निकालने का एक और कारखाना लगाना चाहा। उसके प्रबंधक,

## बैक का लोगों के साथ संबंध

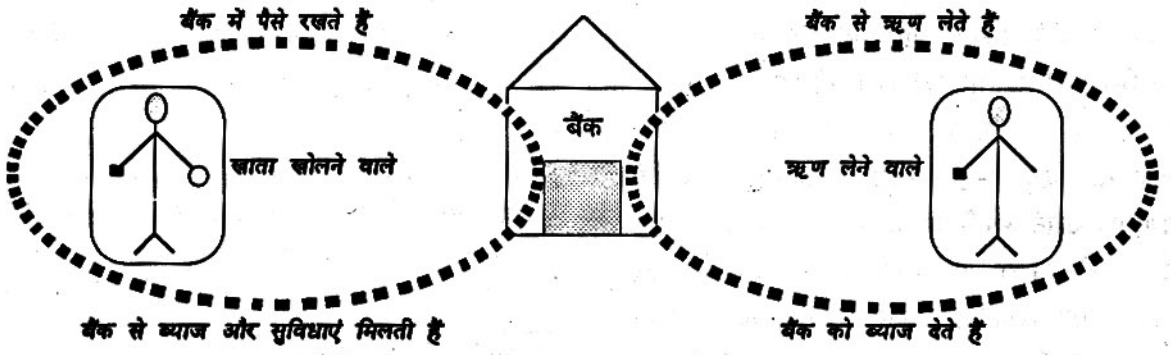


*चित्र के अनुसार इन प्रश्नों के उत्तर दो:*

1. *बैंक को ऋण लेने वालों से क्या फायदा होता है?*
2. *बैंक में खाता खोलने से लोगों को क्या फायदा होता है?*
3. *यदि बैंक ऋण देना बन्द कर दे तो क्या होगा?*

प्रकाश अरोड़ा ने पैंतालिस लाख रुपऐ की ऋण योजना बना कर बैंक को प्रस्ताव दिया। बैंक के अधिकारियो ने योजना का अध्ययन किया और उनसे बातचीत की। उन्हें विश्वास हो गया कि यह कारखाना चल पायेगा। उन्होने ऋण मंज़ूर कर दिया। कंपनी ने अपनी स्वयं की पूंजी दस लाख रुपये भी लगाई थी। बैंक ने खरीदी गई मशीनें, अपनी सुरक्षा के लिए, अपने नाम पर गिरवी रखीं। यदि कारखाना नही चला तो वह मशीनें बेच कर अपना कर्ज़ वापस प्राप्त कर सकता है। ऋण पर 16.5% ब्याज की दर रखी गई। जैसे-जैसे कंपनी में तेल का उत्पादन होगा यह ऋण किश्तों में लौटाया जायेगा।

इसी तरह धंधे और व्यापार के लिए बहुत से कर्ज़ दिये जाते हैं। किसी को मशीनें खरीदनी हैं; किसी को कारखाना चलाने के लिए कर्ज़ चाहिए; किसी को ट्रक खरीदना है; किसी को दुकान डालनी है आदि। ऐसे ऋण की ज़रूरत बैंक पूरी करती है और अपने नियमों के अनुसार ब्याज वसूल करती है।

बैंक एक दूसरे प्रकार का ऋण भी देती है जो कि सरकारी योजनाओं से संबंधित है। सरकार का एक उद्देश्य है कि खेती का उत्पादन बढ़ाया जाए। बैंक खेती के लिए कई प्रकार के ऋण देती है - खाद, बीज की खरीदी के लिए, कुआं खुदवाने के लिए; बिजली मोटर के लिए, पशु खरीदने के लिए, ट्रैक्टर, थ्रेशर के लिए, ज़मीन सुधार के लिए आदि।

उदाहरण के लिए - धन्ना लाल और बद्री प्रसाद ने लोन की अर्ज़ियां डाली थीं। धन्ना लाल के पास कुल आठ एकड़ ज़मीन थी। उसे फसल बोने के समय खाद और बीज के लिए पैसों की ज़रूरत थी। फसल बेचने पर वह ये पैसे लौटा देगा। धन्ना लाल को

3000 रु. चाहिये थे। उसने फसल बंधक रखी। फसल कटने पर बैक को वह यह पैसे *10% ब्याज सहित लौटा देगा।*

*बद्री प्रसाद के पास तो तीस एकड़ ज़मीन थी। उसने* ट्यूब वेल के लिए लोन की अर्ज़ी दी थी। उसके पास 10,000 रु. थे और वह बैंक से 15,000 रु. ऋण चाहता था। वह 5-10 सालों में किश्तों में ये पैसे लौटाएगा। उसने अपनी ज़मीन बैंक के पास रहन रखी। यदि वह लोन न लौटाए तो बैंक उसकी ज़मीन बेचकर पैसे वसूल कर सकती है। उसे 12.5% ब्याज भरना होगा। दोनों की अर्ज़ियां मंजूर हो गईं। दोनों के नाम से बैंक में खाते खुल गए। इन खातों में ऋण की रकम दर्ज़ करा दी गई। अब दोनों अपने-अपने खाते से खाद-बीज या ट्यूब-वेल के लिए पैसे निकाल सकते हैं।

इसी तरह सरकार की कई और ऋण योजनाएं हैं। शिक्षित बेरोज़गार व्यक्तियों को रोज़गार के साधन दिलाने के लिए स्व-रोज़गार ऋण योजना है। कोई भी व्यक्ति, जिसने दसवीं पास की है, और जिसकी उम्र 18 से 35 वर्ष है और जिस के परिवार की कुल वार्षिक आमदनी 10,000 रु. से अधिक नहीं है, वह इस योजना का फायदा उठा सकता है। उदाहरण के लिए कमला चौहान ने इस योजना के अंतर्गत रेडीमेड-कपड़े की दुकान डालने के लिए 25,000 रु. का ऋण लिया। उसमें से 7,000 रु. की छूट या सब्सिडी है। उसे केवल 18,000 रु. ब्याज सहित लौटाने होंगे।

मेनेजर से ऋण की बातचीत

इसी तरह बैंक कई छोटे धंधे, व्यापार के लिए ऋण देती है जैसे - *साइकल दुकान; आटा चक्की; मशीन सुधार की दुकान; जूते की दुकान; खुद का साइकल रिक्षा, आटो रिक्षा; सिलाई मशीन आदि के लिये।*

इस तरह अलग-अलग योजना या स्कीम के अंतर्गत बैंक ऋण देती है।

***ऋण तो साहूकार भी देता है फिर उसके और बैंक के काम में क्या अंतर है?***

## बैंकों का राष्ट्रीयकरण

आज लगभग सभी बैंक सरकार के हैं। शायद यह सोचना भी मुश्किल होगा कि कभी ये बैंक लोगों के निजी होते थे। जैसे आज किसी व्यक्ति की खेती होती है, किसी की दुकान होती है और कुछ लोग कंपनी बनाकर कारखाने चलाते हैं, इसी प्रकार पहले बैंक का काम करने वाली कुछ निजी कंपनियां थी। कंपनी चलाने वाले तय करते थे कि वे पैसा कहां लगायेंगे और शाखाएं कहां खोलेंगे।

परन्तु 1969 में सरकार ने सभी मुख्य बैंकों को अपने अधिकार में ले लिया। अब इन बैंकों की मालिक सरकार बन गई है। यह परिवर्तन बैंकों का राष्ट्रीयकरण कहलाता है। अब सरकार तय करने लगी कि बैंकों का पूरा कामकाज कैसे चलेगा।

राट्रीयकरण के बाद बैंकों की अनेक शाखाएं खोली गईं। इससे बैंक की सेवाएं बहुत लोगों को उपलब्ध हो सकी। खासकर ग्रामीण इलाकों में और छोटे शहर व कस्बों में बैंकों का बहुत फैलाव हुआ।

राष्ट्रीयकरण के साथ कुछ और बदलाव भी आए। पहले बैंक वही ऋण देती थी जिसमें उसे अधिक लाभ होता हो। अब इस प्रकार के व्यापारिक ऋण के अलावा, बैंकों ने कई विशेष ऋण देने शुरू किए जो कि राष्ट्रीय विकास की योजनाओं से संबंधित हैं।

## पाठ का सारांश

इस पाठ में हमने पढ़ा कि बैंक के दो प्रमुख कार्य हैं - खाते खोलना और ऋण देना। तीन प्रकार के खाते होते हैं। मियादी, बचत और चालू। बैंक कई सुविधाएं देती है जैसे कि पैसो को सुरक्षित रखना, चेक के माध्यम से लेन-देन की व्यवस्था करना और ऋण देना। खातेदार जब चाहे, बैंक के नियमानुसार, पैसे निकाल सकते हैं। बैंकों में जमा पैसों का उपयोग ऋण देने के लिए किया जाता है। बैंक कई प्रकार के ऋण देती है। ऋण द्वारा बैंक ब्याज कमाती है। 1969 में बैंकों का राष्ट्रीयकरण हुआ था। इसके बाद बैंक के काम काज में बहुत परिवर्तन आया। बैंकों की शाखाओं का फैलाव हुआ और बैंकों ने कई विशेष ऋण योजनाएं शुरू की।

० ० ० ० ० ० ० ०

## अभ्यास के प्रश्न

1. नीचे दी गई तालिका में जानकारी गलत स्थानों में लिखी गई है। इस तालिका को सुधार कर अपनी कॉपी में लिखो।

| बैंक खाता | ब्याज दर | पैसे निकालने के नियम |
|---|---|---|
| चालू खाता | 10% | 6 महीने में केवल 50 बार |
| बचत खाता | 0% | निश्चित समय से पहले नहीं निकाल सकते |
| मियादी खाता | 5% | कोई रोक नहीं है |

2. बैंक में पैसे रखने से क्या कोई कठिनाई भी हो सकती है? सोचकर लिखो।
3. तुम्हें 2,000 रु. की ज़रूरत है। तुमने अपनी बहन को चेक काट कर दिया और उसे पैसे लाने के लिए भेजा। अपनी कॉपी में यह चेक लिखो?
4. चेक द्वारा लेन-देन से क्या सुविधाएं हो गई है?
5. रेखीकृत चेक, साधारण चेक की तुलना में ज़्यादा सुरक्षित क्यों है?
6. बैंक में जमा पैसों का कुछ हिस्सा ही नगद तिजोरी में रखा जाता है। ऐसा क्यों है और इस से बैंक को क्या लाभ होता है?
7. (अ) यदि बहुत से खातेदार बैंक में पैसा रखना पंसद न करें तो बैंक के कामकाज पर क्या प्रभाव पड़ेगा?
   (ब) यदि बहुत से ऋण माफ कर दिए जाएं तो बैंक के कामकाज पर क्या प्रभाव पड़ेगा?
8. बैंक को मियादी खाते पर ब्याज ..... होता है। बैंक को ऋण पर ब्याज .....है।
   आमतौर पर, मियादी खाते की ब्याज दर या ऋण की ब्याज दर अधिक होती है? ऐसा क्यों होता है?
9. कृषि के ऋण के बारे में दिया गया उदाहरण फिर से पढ़ो और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दो :
   क) यदि धन्ना लाल और बद्री प्रसाद लोन/कर्ज़ न लौटाएं तो बैंक क्या कर सकती है?
   ख) धन्ना लाल और बद्री प्रसाद का ऋण वापस करने का समय अलग क्यों है?
   ग) धन्ना लाल और बद्री प्रसाद जैसे ऋण योजना से सरकार का क्या उद्देश्य पूरा होता है?
   घ) मान लो इस वर्ष वर्षा ठीक नहीं होती है और इस कारण किसानों की फसल आधी नष्ट हो जाती है। इस समय एक व्यक्ति का कहना है कि ऋण आधा माफ कर देना चाहिए और दूसरे व्यक्ति का कहना है कि अगले वर्ष की फसल देखकर वसूल करना चाहिए। तुम्हारी राय में बैंक को क्या करना चाहिए और क्यों?
10. साहूकार की ब्याज दर बैंक की ब्याज दर से अधिक है फिर भी बहुत सारे लोग साहूकार से ऋण लेते है। इसके क्या-क्या कारण है? कक्षा में चर्चा करो और तर्क देते हुए इसका उत्तर लिखो।